संक्षिप्त समाचार

गोदरेज इंटेरियो की होमस्केप्स स्टडी ने भारत की महिलाओं की करियर महत्वाकांक्षाओं और सशक्तीकरण के सफर पर डाली नजर

मुंबई, एजेंसी। आज का भारत तेजी से विकसित हो रहा है, लगातार गतिशील परिवेश में लोगों के अपने घरों के साथ जुड़ाव में भी बड़े बदलाव आ रहे हैं। गोदरेज समूह की प्रमुख कंपनी गोदरेज एंड बॉयस के बिजनेस गोदरेज इंटेरियो की होमस्केप्स स्टडी ने इसी बदलाव की नब्ज पर अंगुली रखी है। इस स्टडी ने उजागर किया है कि कैसे घर की सजावट लोगों के व्यक्तित्व और पसंद की अनूठी अभिव्यक्ति बन रही है। यह स्टडी घरों और व्यक्तिगत विकास के बीच आंतरिक संबंध को रेखांकित करती है। पिछले कुछ वर्षों में भारत में महिलाओं की भूमिका में एक उल्लेखनीय परिवर्तन हुआ है, जो पारंपरिक गृहिणी से सशक्त गृह–स्वामिनी बन गई है, जैसा कि एनारॉक द्वारा हाल में किए गए एक सर्वेक्षण से पता चला है। अध्ययन से पता चलता है कि सर्वेक्षण में शामिल 47 प्रतिशत संपत्ति चाहने वाली महिलाएं 25-35 वर्ष की आयु सीमा में आती हैं, अतिरिक्त 41 प्रतिशत 35-45 आयु वर्ग में आती हैं। गोदरेज इंटेरियो होमस्केप्स स्टडी के महिला दिवस संस्करण के निष्कर्षों में महिलाओं के व्यवहार में दिलचस्प बदलाव, पर्सनल स्पेस के महत्व और उनके विकास के साथ इसके संबंध पर जोर का खुलासा हुआ। स्टडी के जरिए भारत में महिलाओं की बढ़ती करियर आकांक्षाओं और सशक्तीकरण पर प्रकाश डाला गया। स्टडी के अनुसार, 42 प्रतिशत महिलाओं ने होम वर्कस्टेशन स्थापित किया है, जो पुरुषों के लिए दर्ज 36 प्रतिशत से अधिक है। इस प्रवृत्ति पर टिप्पणी करते हुए गोदरेज इंटेरियो के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और बिजनेस हेड स्वप्निल नागरकर ने कहा, होमस्केप्स स्टडी के निष्कर्ष व्यक्तियों, उनके परिवारों और उनके घरों के बीच गहरे भावनात्मक संबंध को रेखांकित करते हैं। हमारा अध्ययन महिलाओं के जीवन के एक महत्वपूर्ण पहलू यानी उनकी पहचान के प्रतिबिंब के रूप में उनके घर के संबंध में उनकी भावनाओं पर प्रकाश डालता है। सर्वेक्षण से मिले आंकड़े बता रहे हैं कि सामाजिक-आर्थिक प्रगति ने महिलाओं को अपने अधिकारों का दावा करने के लिए सशक्त बनाया है।

ओपनएआई के बोर्ड में सैम आल्टमैन की वापसी, कुछ महीने पहले गलत तरीके से नौकरी से निकाला गया था

नई दिल्ली, एजेंसी। सैम आल्टमैन की एआई कंपनी ओपनएआई के बोर्ड में वापसी हो गई है। कंपनी ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। कुछ महीने पहले ही सैम आल्टमैन को ओपनएआई के बोर्ड और सीईओ पद से नाटकीय घटनाक्रम के तहत हटा दिया गया था। हालांकि काफी हंगामे के बाद सैम आल्टमैन की ओपनएआई के सीईओ पद पर फिर से वापसी हुई और अब बोर्ड में भी आल्टमैन की वापसी हो गई है। कंपनी ने बयान जारी कर ये भी बताया है कि आंतरिक जांच में पता चला है कि सैम आल्टमैन को गलत तरीके से नौकरी से निकाला गया था। आल्टमैन के साथ तीन अन्य लोगों को भी ओपनएआई के बोर्ड में शामिल किया गया है। इनमें बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के पूर्व सीईओ सु डेसमंड हेलमेन, सोनी एंटरटेनमेंट के पूर्व अध्यक्ष निकोल सेलिगमेन और इंस्टाकार्ट के सीईओ फिजी सिमो शामिल हैं।

बिटकॉइन ने रचा इतिहास, पहली बार 70,000 डॉलर के पार पहुंची कीमत

नईदिल्ली, एजेंसी। क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में रौनक देखने को मिल रही है। दुनिया की सबसे पुरानी और सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन पिछले कुछ समय से लगातार नई-नई ऊंचाई छू रही है। अब बिटकॉइन ने रिकॉर्ड हाई पर पहुंच कर इतिहास रच दिया है। बिटकॉइन ने पहली बार 70 हजार डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया है। अमेरिकी स्पॉट एक्सचेंज ट्रेडेड फंड की लॉन्चिंग के बाद से ही बिटकॉइन की कीमतों ने तेजी पकड़ ली है। साल 2024 में बिटकॉइन की कीमत 50 फीसदी बढ़ी है। दुनिया की तमाम प्रमुख वर्चुअल करेंसीज में इजाफा देखने को मिल रहा है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर बिटकॉइन के अलावा दुनिया की दूसरी कौन-कौन सी क्रिप्टोकरेंसी में इजाफा देखने को मिल रहा है।

बिटकॉइन के दाम 70 हजार डॉलर के पार

बिटकॉइन के दाम शुक्रवार देर शाम 70 हजार डॉलर के पार चले गए हैं। कारोबारी सत्र के दौरान बिटकॉइन की कीमत 70,136.33 डॉलर के साथ रिकॉर्ड लेवल पर पहुंच गई। वैसे बीते 24 घंटे के अंदर बिटकॉइन के दाम 66,238.45 डॉलर पर भी पहुंचे। मौजूदा समय यानी शनिवार (9 मार्च) को बिटकॉइन की कीमत 0.09 फीसदी की तेजी के साथ 68,390.23 डॉलर पर कारोबार कर रही है। जानकारों की मानें तो आने वाले दिनों में बिटकॉइन की कीमत में और भी इजाफा देखने को मिलेगा।

क्यों आई तेजी

जानकारों की मानें तो नए अमेरिकी स्पॉट एक्सचेंज-ट्रेडेड क्रिप्टो प्रोडक्ट्स की निवेशकों में डिमांड ज्यादा बढ़ गई है। साथ अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की संभावनाएं देखने को मिल रही है जिसकी वजह से क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में तेजी का फ्लो बना हुआ है। जानकारों की मानें तो आने वाले दिनों में ये फ्लो बना हुआ दिखाई दे सकता है। अगले दो महीनों बिटकॉइन की कीमत 75 हजार डॉलर के भी पार जा सकती है। वैसे संभावना जताई जा रही है कि साल के अंत तक बिटकॉइन कीमत एक लाख डॉलर को भी टच कर सकती है।

महिला संचालित स्टार्टअप को रकम जुटाने में हो रही परेशानी, 6 हजार कंपनियां नहीं कर पाई फंडरेजिंग

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत में महिला संस्थापकों वाली 8 हजार से ज्यादा स्टार्टअप कंपनियां हैं। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, इन कंपनियों ने अब तक कुल मिलाकर करीब 23 अरब डॉलर की रकम जुटाई है। ट्रैक्शन की रिपोर्ट के मुताबिक, इसके अलावा करीब 6 हजार कंपनियां ऐसी हैं जिसने कोई रकम नहीं जुटाई है। उनमें से 590 कंपनियों का राजस्व 30 हजार डॉलर से अधिक है।

भारतीय प्रौद्योगिकी उद्योग में महिला उद्यमियों की हिस्सेदारी फिलहाल 18 फीसदी से अधिक है और रकम जुटाने वाली कंपनियों हिस्सेदारी 14 फीसदी से ज्यादा है। इसके बावजूद देश में महिलाओं के नेतृत्व वाली स्टार्टअप कंपनियों द्वारा जुटाई गई फंडिंग की हिस्सेदारी बीते एक दशक में बढ़ी है, जो साल 2020 से 2022 तक भारत में कुल स्टार्टअप फंडिंग का 15 फीसदी से अधिक है।

टाटा का शेयर 4 दिन में 36 प्रतिशत चढ़ा

अब ग्रुप का प्लान निवेशकों को देगा झटका!

ईदिल्ली, एजेंसी। पिछले हफ्ते टाटा ग्रुप की कंपनियों के कई कंपनियों के शेयरों में धुंआधार तेजी देखने को मिली थी। लेकिन यह रफ्तार अगले हफ्ते फिकी पड़ सकती है। रिपोर्ट के मुताबकि टाटा संस आईपीओ लाने से बचने की कोशिश कर रहा है। इसका बुरा असर टाटा केमिकल्स पर सबसे अधिक पड़ेगा। बता दें, 4 दिन में टाटा केमिकल्स के शेयरों में 36 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली थी। बुलेट ट्रेन की तरह भाग रहा है रेलवे का यह शेयर, कंपनी को मिला 1900 करोड़ रुपये का काम

क्या है मामला

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के नियमों के तहत टाटा संस को सितंबर 2025 तक लिस्ट होना होगा। समूह इससे बचने की कोशिश कर रहा है। ईकोनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के पास टाटा संस ने याचिका भी दायर की थी। लेकिन लिस्टिंग से बचने वाली इस याचिका को रिजर्व बैंक रद्द कर दिया था।

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार लिस्टिंग से बचने के लिए टाटा संस अपने बैलेंस शीट का रिस्ट्रक्चर करने के विकल्प तलाश रहा है। यदि कर्ज को चुका कर लोन को रिस्टक्चर करने में टाटा संस सफल रहा और टाटा कैपिटल में अपनी होल्डिंग को किसी अन्य यूनिट में ट्रांसफर करता है तो ऐसी स्थिति में उसे एक इनवेस्टमेंट या अपर लेयर के तौर पर डिरजिस्टर्ड किया जा सकेगा। इससे समूह लिस्टिंग लाने से बच जाएगा।

टाटा के इन कंपनियों के शेयरों में तूफानी तेजी

इस पूरे घटनाक्रम से जिस कंपनी पर सबसे बुरा असर पड़ सकता है वह टाटा केमिकल्स है। मौजूदा समय में टाटा केमिकल्स की कुल हिस्सेदारी टाटा संस में 3 प्रतिशत की है। बता दें, पिछले हफ्ते ऑटोमोबाइल कॉरपोरेश ऑफ गोवा, टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन, रेलीज इंडिया, टाटा पॉवर कंपनी के शेयरों में क्रमशः 33 प्रतिशत, 28 प्रतिशत, 14 प्रतिशत और टाटा पॉवर के शेयरों में 13 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। बता दें, टाटा ग्रुप की तरफ से टाटा संस के आईपीओ को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। लेकिन रिपोर्ट्स के सामने आने के बाद लोगों ने पिछले हफ्ते टाटा ग्रुप की कंपनियों के शेयरों को खरीदने लगे थे।

प्याज की बढ़ती कीमत को कंट्रोल करने के लिए सरकार ने बनाया प्लान!

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार इस साल अपने बफर स्टॉक के लिए पांच लाख टन प्याज खरीदने की योजना बना रही है। इसका उपयोग कीमत बढ़ने की स्थिति में उसे काबू में करने के लिए किया जा सकता है। सूत्रों ने शुक्रवार को कहा कि सरकार की तरफ से एनसीसीएफ (नेशनल कॉअपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया लि.) और नैफेड (नेशनल एग्रीकल्चरल कॉअपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया लि.) जैसी एजेंसियां प्याज की खरीद करेंगी।

खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने पिछले साल पांच लाख टन का बफर स्टॉक बनाया था। इसमें से एक लाख टन अभी भी उपलब्ध है। सूत्रों ने कहा कि अपने 'बफर स्टॉक से रियायती दर पर प्याज बेचने के सरकार के फैसले से कीमतों को नियंत्रित करने में मदद मिली है। सरकार इस महीने के अंत में प्याज निर्यात पर प्रतिबंध हटाने पर फैसला लेगी। यह रोक 31 मार्च तक है। सरकार की बफर स्टॉक बनाने की योजना 2023-24 में प्याज के उत्पादन में गिरावट के अनुमान के बीच आई है। कृषि मंत्रालय के बृहस्पतिवार को जारी बयान के अनुसार, ''प्याज का उत्पादन 2023-24 में लगभग 254.73 लाख टन होने की उम्मीद है, जबकि पिछले साल यह लगभग 302.08 लाख टन था। महाराष्ट्र में 34.31 लाख टन, कर्नाटक में 9.95 लाख टन, आंध्र प्रदेश में 3.54 लाख टन और राजस्थान 3.12 लाख टन की उपज कम होने से कुल उत्पादन में यह गिरावट आने की आशंका है। आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2021-22 में प्याज का उत्पादन 316.87 लाख टन रहा था।

अपोलो हॉस्पिटल्स ने लॉन्च किया दक्षिण एशिया में पहला जैप एक्स, ब्रेन ट्यूमर केयर उपचार में लाएगा क्रांति

मुंबई, एजेंसी। महज 30 मिनट में ब्रेन ट्यूमर का इलाज संभव है। यह एक ऐसी अत्याधुनिक तकनीक से मुमकिन हुआ है जिसे पूरे दक्षिण एशिया में पहली बार भारत में अपोलो हॉस्पिटल्स ने लॉन्च किया है। 30 मिनट के सत्र में मरीज को इस प्रक्रिया के तहत न कोई दर्द और न किसी तरह का दुष्प्रभाव होने वाला है। जैप एक्स नामक यह तकनीक सीधे तौर पर ट्यूमर को तोड़ने का काम करती है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह तकनीक आने वाले दिनों में ब्रेन ट्यूमर के उपचार में क्रांतिकारी बदलाव लाएगी। जानकारी के अनुसार, भारत के सबसे बड़े एकीकृत स्वास्थ्य सेवा प्रदाता अपोलो हॉस्पिटल्स ग्रुप ने जैप-एक्स जाइरोस्कोपिक रेडियोसर्जरी प्लेटफॉर्म का अनावरण किया है। यह एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है क्योंकि यह दक्षिण एशिया में पहली बार उपलब्ध हुई है। जैप एक्स के साथ अपोलो हॉस्पिटल्स न सिर्फ भारत बल्कि दुनिया भर में मरीजों के लिए विश्व स्तरीय स्वास्थ्य देखभाल समाधान प्रदान करने के लिए नवाचार और प्रतिबद्धता की अपनी विरासत को जारी रखे हुए है।

भारत में 63 प्रतिशत से अधिक महिलाएं उद्यमशीलता की राह तलाश रही हैं

पेनीयरबाय वीमेन फिनांशियल इंडेक्स की रिपोर्ट

रिपोर्ट का चौथा संस्करण 2023-24 में खुदरा स्टोर पर महिलाओं की वित्तीय खपत का विस्तृत विश्लेषण पेश करता है

मुंबई, एजेंसी। देश में 50 लाख से अधिक खुदरा टचप्वाइंट वाले अग्रणी शाखा रहित बैंकिंग और डिजिटल नेटवर्क, पेनीयरबाय के सर्वेक्षण से पता चलता है कि भारत में 63 प्रतिशत से अधिक महिलाएं अपना व्यवसाय शुरू करना चाहती हैं, जो वित्तीय स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता की तीव्र इच्छा को दर्शाती है। यह बात, खुदरा दुकानों पर महिलाओं द्वारा वित्तीय खपत को दर्शाने वाली अखिल भारतीय सर्वेक्षण रिपोर्ट, पेनीयरबाय वीमेन फाइनेंशियल इंडेक्स (पीडब्ल्यूएफआई) के अंग के रूप में साझा की गई थी। कंपनी ने देश में 5,000 से अधिक खुदरा स्टोरों का सर्वेक्षण किया, जिसमें वहां दिखे महिला उपभोक्ताओं के वित्तीय लेन-देन को रिकॉर्ड किया गया। रिपोर्ट में बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण की प्राथमिकता पर रोशनी डाली गई, जिसमें 95 प्रतिशत से अधिक महिला ग्राहक नकद निकासी के लिए एईपीएस का विकल्प चुनती हैं। नकद लेन-देन का पसंदीदा तरीका बना हुआ है, 48 प्रतिशत महिलाएं इसके पक्ष में हैं, आधार-आधारित लेनदेन और यूपीआई क्यूआर कोड दहाई अंक में प्रगति पर हैं। इस खंड में कार्डों की उपस्थिति न्यूनतम बनी हुई है। विशेष रूप से, 18-30 साल की आयु की महिलाएं, उसके बाद 31-40 वर्ष की महिलाएं, डिजिटल रूप से सबसे अधिक कुशल हैं, जो वित्तीय लेनदेन के प्रति एक मज़बूत रुझान दिखाती हैं। दिलचस्प बात यह है कि 41 प्रतिशत महिलाओं ने उल्लेख किया कि वे अपने फोन पर किसी भी भुगतान ऐप का उपयोग नहीं करती हैं।पेनीयरबाय खुदरा दुकानों पर महिलाओं द्वारा प्राप्त की जाने वाली शीर्ष तीन सेवा है, नकद निकासी, मोबाइल रिचार्ज और बिल भुगतान। सबसे आम निकासी सीमा 1000-2500 के बीच है, जबकि ईएमआई भुगतान आमतौर पर 500-1000 के बीच है। रिपोर्ट से पता चलता है कि 70 प्रतिशत महिलाओं के पास जन-धन बचत खाते हैं जिनका उपयोग मुख्य रूप से नकद निकासी के लिए किया जाता है। 25 प्रतिशत से अधिक महिलाओं ने स्वीकार किया कि उनके बैंक खाते उनके बजाय उनके पति संभालते हैं।

शीर्ष तीन बचत लक्ष्यों में, बच्चों की शिक्षा शीर्ष पर है, इसके बाद बीमारी से जुड़ी आपातकालीन परिस्थिति और घरेलू इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदने का स्थान है। 54 प्रतिशत महिलाओं ने मासिक बचत के लिए अपनी पसंदीदा सीमा 750-1000 बताई, जो वित्तीय नियोजन के प्रति उनके दृष्टिकोण को उजागर करती है। केवल 27 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने लंबी अवधि में एक कोष जमा करने के लिए 1500 से अधिक की बचत करना पसंद किया। 71 प्रतिशत महिलाओं ने 3-5 साल के बीच बचत अवधि के साथ अल्पकालिक निवेश के प्रति अधिक झुकाव प्रदर्शित किया। रिपोर्ट में निवेश विविधीकरण की दिशा में मामूली लेकिन उल्लेखनीय रुझान देखा गया है, विशेष रूप से आवर्ती और निश्चित लक्ष्य-आधारित जमा में। यह वैकल्पिक निवेश मार्गों के बारे में महिलाओं के बीच बढ़ती जागरूकता को दर्शाता है, जो वित्तीय प्रबंधन और धन सृजन में बढ़ती रुचि को दर्शाता है।

गोदरेज एप्लायंसेज ने डिजाइन में इनोवेशन करते हुए वुडन-फिनिश, प्रकृति से प्रेरित एसी और रेफ्रिजरेटर लॉन्च किए

अपने प्रीमियम सेगमेंट के हिस्से को 45 प्रतिशत से बढ़ाकर 55 प्रतिशत करना और एक मजबूत प्रोडक्ट पोर्टफोलियो के साथ समर ग्रोथ को 20 प्रतिशत तक बढ़ाना ब्रांड का लक्ष्य

क्यूरेटेड एक्सेसरीज और होम डिजाइन गाइड के लिए इंडिया सर्कस के कृष्णा मेहता के साथ सहयोग उपभोक्ताओं के अनुभव को बनाएगा और बेहतर

मुंबई, एजेंसी। गोदरेज ग्रुप की प्रमुख कंपनी गोदरेज एंड बॉयस के एक हिस्से गोदरेज एप्लायंसेज ने प्रकृति से प्रेरित वुडन-फिनिश घरेलू उपकरणों की एक नई सीरीज ईऑन वोग लॉन्च की है। एडवांस रेफ्रिजरेटर और एयर कंडीशनर वाली यह सीरीज कला और तकनीक का एक अनूठा मेल है जो आज के जमाने के भारत में उपयोगिता के साथ–साथ घर की सजावट में भी चार चांद लगाती है।

ब्रांड द्वारा भारतीय घरों में किए गए सर्वेक्षण के अनुसार 70 प्रतिशत से अधिक लोगों ने कहा कि उन्हें ऐसे एप्लायंसेस के विकल्प अधिक पसंद आते हैं जो उनके घर की सजावट के लिए भी अच्छे हों। आधे से अधिक लोगों ने कहा कि वे चाहते हैं कि उनके

घरों में सबकुछ अच्छे से मेल खाने वाला होना चाहिए।

नए लॉन्च के बारे में बोलते हुए गोदरेज एप्लायंसेज के बिजनेस हेड और एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट कमल नंदी ने कहा, खर्च के लिए बढ़ती आय और आसानी से लोन मिलने को देखते हुए औसतन अब तीस के दशक में लोग अपना घर बना रहे हैं। ऐसे युवा भारतीय उपभोक्ताओं अपने घर की सजावट को लेकर भी बहुत सजग है। ये मानते हैं कि उनके घर की सजावट में सबकुछ मैचिंग वाला होना चाहिए। यहां तक कि उन्हें रेफ्रिजरेटर और एयर कंडीशनर जैसे एप्लायंसेस भी घर की सजावट के साथ मैच करने वाले चाहिए होते हैं लेकिन ऐसा करने में उन्हें दिक्कत आ रही है। दरअसल, आज के जमाने में उपयोगिता के साथ सुंदरता भी खरीद का प्रमुख चालक है। इसी बात को हमने ध्यान में रखा है। गोदरेज एप्लायंसेज के थिंग मेड थॉटफुल दर्शन के अनुरूप ब्रांड ने नेचर इंस्पायर्ड, वुड-फिनिश रेंज के एयर कंडीशनर और रेफ्रिजरेटर की अपनी अनूठी पेशकश गोदरेज ईऑन वोग सीरीज के साथ एक बार फिर इस मांग को पूरा करने के लिए इनोवेशन किया है। अन्य प्रीमियम लॉन्च के साथ, ब्रांड का लक्ष्य अपने प्रीमियम सेगमेंट योगदान को 45 प्रतिशत से बढ़ाकर 55 प्रतिशत करना और एक मजबूत प्रोडक्ट पोर्टफोलियो के साथ समर ग्रोथ को 20 प्रतिशत तक बढ़ाना है। डिजाइन के पीछे की सोच पर प्रकाश डालते हुए गोदरेज एप्लायंसेज के डिजाइन हेड कमल पंडित ने कहा, हमने अपने तेजी से बदलते शहरों को बड़ी बहुमंजिला इमारतों के साथ अकेले घरों की जगह लेते हुए देखा और उपभोक्ताओं को प्रकृति से दूर होते देखा। उपभोक्ताओं को अपने घरों की डिजाइन में बदलाव का अनुभव करवाने और अपनाने में सहायता करने के लिए ब्रांड ने एक कस्टमाइज्ड होम डिजाइन गाइड के लिए इंडिया सर्कस के फाउंडर और डिजाइन डायरेक्टर कृष्णा मेहता के साथ सहयोग करते हुए विभिन्न होम डेकोर स्टाइल और विशेष रूप से क्यूरेटेड नई ईऑन वोग सीरीज का प्रदर्शन किया है। पहले एक हजार ग्राहकों के लिए प्रकृति से प्रेरित इंडियन सर्कस एक्सेसरीज 1999/- रुपए तक की कीमत पर उपलब्ध है।

लॉन्च पर बोलते हुए इंडिया सर्कस के फाउंडर और डिजाइन डायरेक्टर कृष्णा मेहता ने कहा, गोदरेज एप्लायंसेज की नई वुड-फिनिश रेंज भारत में सजावट की दुनिया में एक स्वागत योग्य नया कदम है। मैं डिजाइन में नेचर-इंस्पायर्ड एलिमेंट जोड़ने की सराहना करता हूं और आप इसे इंडिया सर्कस डिस्प्ले में भी देख सकते हैं। लकड़ी एक नेचर फिनिश होने के कारण बहुमुखी है, विभिन्न सजावट शैलियों के साथ अच्छी तरह मेल खाती है।

गोदरेज ईऑन वोग सीरीज के रेफ्रिजरेटर ओक और अखरोट के दो रंगों में 272 लीटर और 244 लीटर क्षमता में उपलब्ध हैं और ग्राहकों के लिए 27,000 - 32,000 रुपए की रेंज में उपलब्ध होंगे।

प्रथम ईपीसी प्रोजेक्ट्स लिमिटेड का आईपीओ 11 मार्च 2024 को खुलेगा

मुंबई, एजेंसी। प्रथम ईपीसी प्रोजेक्ट्स लिमिटेड भारत में तेल और गैस वितरण कंपनियों को एंड-टू-एंड सेवाएं प्रदान करने के व्यवसाय में एक एकीकृत इंजीनियरिंग, खरीद, निर्माण और कमीशनिंग कंपनी है, जिसने 2014 में स्थापित व्यवसाय में लगभग एक दशक सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। कंपनी विभिन्न कार्य कर रही है, जिसमें गैस पाइपलाइन परियोजनाएं और सभी पाइपलाइन गतिविधियां जैसे मेनलाइन वेल्डिंग, टाई-इन, कोटिंग, ह्यड्रो परीक्षण और पाइपलाइन प्रबंधन शामिल हैं। कंपनी के प्रमुख ग्राहकों में इंडियन ऑयल, साबरमती गैस, गुजरात गैस, सनपेट्रो केमिकल्स, गेल (इंडिया), जीएसपीएल, बीपीसीएल शामिल हैं। कंपनी के पास लगभग रु. 13,184.10 लाख की हमारी प्रमुख पूर्ण परियोजनाओं के साथ 12 से अधिक परियोजनाओं को सफलतापूर्वक निष्पादित किया गया। 8 प्रमुख परियोजनाएं चल रही हैं जिनमें से 7 परियोजनाओं की लागत लगभग रु. 29,666.33 लाख की है। अहमदाबाद में मुख्यालय वाली कंपनी में 750+ कर्मचारी हैं।

प्रथम ईपीसी प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के प्रमोटर श्री प्रतीक कुमार मगनलाल वेकारिया (अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक) और श्री नयनकुमार मनुभाई पंसुरिया (पूर्णकालिक निदेशक) हैं, दोनों के पास व्यवसाय में 16 वर्षों का समृद्ध अनुभव है।

पब्लिक इस्यूकी साइज रु. 36 करोड़ है और 48,00,000 इक्विटी शेयर, राशि रु. 10 प्रत्येक और रुपये का मूल्य बैंड। 71-75 तक उपलब्ध है। यह इश्यू 11 मार्च, 2024 को खुलता है और 13 मार्च, 2024 को बंद होता है। एंकर निवेशकों के लिए इश्यू खुलने की तारीख 07 मार्च, 2024 है एंकर निवेशकों के लिए आरक्षित इक्विटी शेयर 13,66,400 हैं। बाजार निर्माता की हिस्सेदारी 2,40,000 इक्विटी शेयर होगी। 6,84,800 इक्विटी शेयर एचएनआई के लिए और 9,12,000 इक्विटी शेयर क्यूआईबी के लिए आरक्षित हैं।